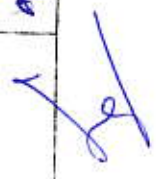


24.1.2017

पंचायत वेरा है और सायल वायडू 22 भा गैर (कौर
 का उपलोकन किण से सेह में केवल एव
 गैर है पचवके एका गवारी वे में उपको लेरान
 कला के एक 0 व 0 218 ररवा 0.08 टेक्स्टर किर
 भूमि में गैर सायल गूमि पर काउ कायकर नाजायज
 कष्टा कर सति कृष्ण कले के एक भा में थी थी सेह
 और सामल के प्रकृषे कि थी। जिस पर एका भाव्य में
 राजस्थान गुरागल इ प्रि विरम 1956 की आ.रा.ग। के कर्तव्य
 सायल प्ररवा रमे कर और सामल के किर 2.2.2017 पर
 की आ.रा.ग। 13 के प्ररररि नो रिडि गरी किमा जस्य।
 और सामल उण्ड का एक राजकीय यूमि गे.रु पर
 कफी कृषा करना वकी कार कि हा सेह सिधी में
 और सामल को राजकीय यूमि गे.रु पर चरी कृषा
 करने से कफी कमी को रिन किमा गाबर कनी प्रररि



24.1.2017
 पंचायत वेरा है और सायल वायडू 22 भा गैर (कौर
 का उपलोकन किण से सेह में केवल एव
 गैर है पचवके एका गवारी वे में उपको लेरान
 कला के एक 0 व 0 218 ररवा 0.08 टेक्स्टर किर
 भूमि में गैर सायल गूमि पर काउ कायकर नाजायज
 कष्टा कर सति कृष्ण कले के एक भा में थी थी सेह
 और सामल के प्रकृषे कि थी। जिस पर एका भाव्य में
 राजस्थान गुरागल इ प्रि विरम 1956 की आ.रा.ग। के कर्तव्य
 सायल प्ररवा रमे कर और सामल के किर 2.2.2017 पर
 की आ.रा.ग। 13 के प्ररररि नो रिडि गरी किमा जस्य।
 और सामल उण्ड का एक राजकीय यूमि गे.रु पर
 कफी कृषा करना वकी कार कि हा सेह सिधी में
 और सामल को राजकीय यूमि गे.रु पर चरी कृषा
 करने से कफी कमी को रिन किमा गाबर कनी प्रररि

24.1.2017
 पंचायत वेरा है और सायल वायडू 22 भा गैर (कौर
 का उपलोकन किण से सेह में केवल एव
 गैर है पचवके एका गवारी वे में उपको लेरान
 कला के एक 0 व 0 218 ररवा 0.08 टेक्स्टर किर
 भूमि में गैर सायल गूमि पर काउ कायकर नाजायज
 कष्टा कर सति कृष्ण कले के एक भा में थी थी सेह
 और सामल के प्रकृषे कि थी। जिस पर एका भाव्य में
 राजस्थान गुरागल इ प्रि विरम 1956 की आ.रा.ग। के कर्तव्य
 सायल प्ररवा रमे कर और सामल के किर 2.2.2017 पर
 की आ.रा.ग। 13 के प्ररररि नो रिडि गरी किमा जस्य।
 और सामल उण्ड का एक राजकीय यूमि गे.रु पर
 कफी कृषा करना वकी कार कि हा सेह सिधी में
 और सामल को राजकीय यूमि गे.रु पर चरी कृषा
 करने से कफी कमी को रिन किमा गाबर कनी प्रररि

राजकीय नृसि गुरु पट से नो बिक्रम जप वेदराजम असेर सेन
 बायली के लक्षण का प्रचारण एका दुर्भवा राधा 16 -
 स्वस्थ अपने काम क्रिये गये हैं। प्रयास हाका जवाली
 को कसि कसि राव किदे जत्रे को कसि कुमन की नो प्रि
 रूप से वेदराज असे एनं कसि प्रि-दुर्भवा-राधा की वराज
 के लक्षण उपकर प्रचारण दुर्भवा भोग का प्रमि से यी काले
 को नो नो उपकर प्रचारण किसेन प्रचार प्रचार जपि
 क्रम हो निर्णय साज दि 24.01.2017 को सुभागा जपि

कसि लदार, राधा राधा
 (पानी - पकान)

2073 राधा 18/...
 राधा 15/...
 राधा 15/...
 राधा 15/...